समाचार दिनाँक 04.06.2021

विष्व पर्यावरण दिवस पर पद्म भूषण डॉ. अनिल प्रकाष जोषी का सार्वजनिक व्याख्यान

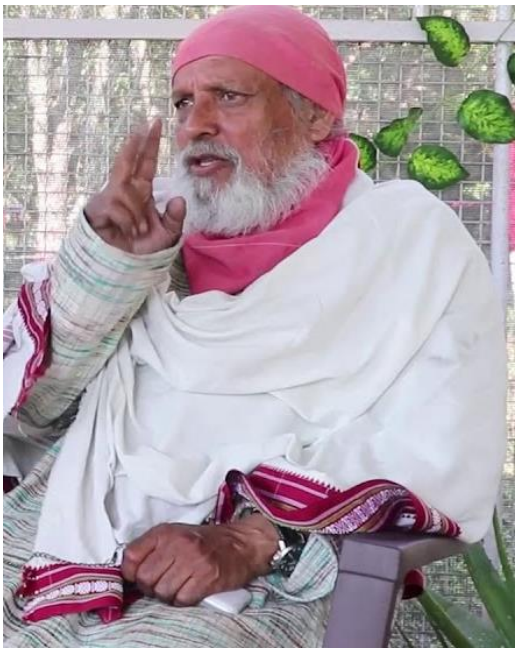

संयुक्त राष्ट्र ने 2021–2030 को पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दषक के रूप में नामित किया है। इस वर्ष का विष्व पर्यावरण दिवस नए युग की शुरूआत करता है क्योंकि हम सभी विष्व पर्यावरण दिवस मना रहे हैं। वास्तविक रूप से इस वर्ष विष्व पर्यावरण दिवस की थीम पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली है। इस दिन को मनाने के लिए भा.कृ.अ.प.–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी ने भारतीय कृषिवानिकी समिति, सोसाइटी फॉर साइंस ऑफ क्लाइमेट चैंज एण्ड सस्टेनेबल एनवायरोमेन्ट एवं दून विष्वविद्यालय, देहरादून ने संयुक्त रूप से पद्म भूषण डॉ. अनिल प्रकाष जोषी द्वारा एक डिजिटल सार्वजनिक व्याख्यान का आयोजन किया। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान के निदेषक डॉ. ए. अरूणाचलम ने प्रो. जोषी का स्वागत किया और हिमालय में पर्यावरण स्थिरता के लिए पद्म भूषण अनिल प्रकाष जोषी के योगदान पर प्रकाष डाला। प्रोफेसर कुसम अरूणाचलम ने अतिथियों का परिचय कराया और डॉ. जोषी की विषेष रूप से हिमालयी क्षेत्र में जैव संसाधन निस्वार्थता पर प्रकाष डाला। जिसके बाद डॉ. जोषी ने अपने हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण बहाली एवं पर्यावरण–विकास परियोजनाओं के संबंध में अपने वृहद् अनुभवों को साझा किया। पद्म भूषण डॉ. जोषी जी ने अपना व्याख्यान प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं चिपको आन्दोलन के मुख्य कर्णधार श्री सुन्दरलाल बहुगुणा जी को समर्पित किया जिनका कि 21 मई, 2021 को स्वर्गवास हो गया। डॉ. जोषी ने सकल घरेलू उत्पाद के विपरीत सकल पर्यावरण उत्पाद पर जोर दिया। उन्होंने सतत् विकास के साथ–साथ सतत् आजीविका के लिए पर्यावरण के अनुकूल दृष्टिकोण अपनाने के लिए देष के प्रत्येक नागरिक से व्यक्तिगत प्रतिबद्धता की भी अपील की। उन्होंने आगे पारम्परिक ज्ञान प्रणालियों के महत्व को रेखांकित किया जो हमारे समाज से तेजी से लुप्त हो रही है और कोविड सहित कई जटिल बीमारियों के लिए इसके पुनः आविष्कार की आवष्यकता है। वास्तव में उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के लिए 'रीइमेजिन, रिक्रिएट एण्ड रिस्टोर' के वैष्विक एजेंडे को बढ़ावा देकर चुनौतीपूर्ण समस्याओं का सरल समाधान उपलब्ध कराया। व्याख्यान को 500 से अधिक वैज्ञानिकों, प्रोफेसरों, अनुसंधान प्रबंधकों, अनुसंधान विद्वानों एवं विभिन्न विष्वविद्यालयों के छात्र और देष भर के सार्वजनिक ज्ञान क्षेत्र के अन्य सदस्यों ने सुना। भा.कृ.अ.प.–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान ने कर्मचारियों, स्थानीय नागरिकों एवं बच्चों की सहभागिता में संस्थान परिसर और उसके आस–पास एक वृहद् वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। वृक्षारोपण को ऑक्सीजन की उलपब्धता और कार्बन–डाइ–ऑक्साइड अनुक्रम दोनों के सन्दर्भ में पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के लिए एक सरल और प्रभावी तरीका माना जाता है, जिसकी कि पर्यावरणीय स्थिरता के साथ–साथ जलवायु शमन के लिए तत्काल आवष्यकता है।